





## संपादकीय

### ‘विकसित भारत’ का संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, लेकिन कोई नई नीतिगत घोषणा नहीं कर पाए। कुछ आंकड़े गिना दिए गए। संबोधन का फोकस 'विकसित भारत' और युवाओं पर रहा। विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री कई बार दोहरा चुके हैं और युवाओं की बात करना 'राजनीतिक विवशता' हो सकती है। प्रधानमंत्री के करीब 77 मिनट के संबोधन का निष्कर्ष दो शब्द-युम रहे- 'सप्तधारा' और 'दिमागी नकसला'। इन दो शब्द-युगमों से भारत कभी भी 'विकसित' नहीं बन सकता। प्रधानमंत्री के संबोधन का विश्लेषण करने से पहले दो तथ्य प्रस्तुत करना चाहता हूं। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के राष्ट्रपति थे, तब घोषित दावा किया गया था कि 2020 में भारत 'विकसित राष्ट्र' होगा। क्या हुआ? क्या उसका कोई रिपोर्ट-कार्ड उपलब्ध है अथवा कोई प्रगति-कथा है? उसके बाद 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार को देश ने जनादेश दिया, तो बुनियादी नारा था-'अच्छे दिन आएं।' वह संभव नहीं लगा, तो प्रधानमंत्री मोदी ने 'अच्छे दिनों' की समय-सीमा 2047 तय कर दी और 'विकसित भारत' के उद्घोष शुरु कर दिए गए। अर्थात 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी की जवाबदेही खत्म हो गई। तब वह प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इतना निश्चित है। जो भी प्रधानमंत्री होगा, अब जवाबदेही उसकी होगी। बहरहाल प्रधानमंत्री ने 'शक्ति की सप्तधारा' का आह्वान किया है। ये सप्तधाराएं हैं-विनिर्माण-उत्पादन, कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी-नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा-साइबर सुरक्षा, ग्रीन एनर्जी-ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पावर।

देश इन 'सप्तधाराओं' को पहले से ही जानता है, बेशक नामकरण बदल दिए गए हों। हालांकि प्रधानमंत्री ने इनमें देश के 'क्रोर सेक्टर' के कुछ महत्वपूर्ण आधार छोड़ दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से खुलासा और दावा किया है कि भारत में मोबाइल निर्माण-उत्पादन 33 गुना, खादी-ग्रामोद्योग 5 गुना, रेलवे कोच निर्माण 31 गुना, मैयूफैक्चरिंग 7 गुना, इंटरनेट 4 गुना, गैस कनेक्शन 6 गुना, नल से जल 15 गुना, शौचालय 4 गुना, गरीबों को पक्के घर देना 3 गुना और डिजिटल भुगतान, लेन-देन 100 गुना बढ़ा है। यकीनन भारत ने प्रगति की है, लेकिन अमरीका, चीन, जर्मनी, जापान आदि देशों की तुलना में हम आज भी बहुत पीछे हैं। भारत में सेमीकंडक्टर के तीन प्लांट अभी शुरु हुए हैं, लेकिन चीन और ताइवान दुनिया को सेमीकंडक्टर सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगामी 7-8 साल का लक्ष्य बताया है कि सेमीकंडक्टर के 5-7-8 प्लांट शुरु हो जाएंगे। निश्चित संख्या नहीं है। हम कृत्रिम बुद्धिकृता (एआई) के क्षेत्र में भी 'शिशुवत' हैं और प्रधानमंत्री ने आपश्चस्त करने की कोशिश की है कि आगामी एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसी ही आकर्षक घोषणा बजट में की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में 5 साल में 1 करोड़ युवा 'इंटर्नशिप' करेंगे। उन्हें 5000 रुपए मानदेय भी दिया जाएगा। नतीजा क्या रहा, प्रधानमंत्री इसका भी खुलासा कर देते। यह इच्छा करना सुखद लगता है कि फॉर्च्यून की 500 शीर्ष कंपनियों में 50 भारतीय भी हों, फार्मा कंपनियां शीर्ष 5 कंपनियों में हों, शीर्ष 10 बैंकों में भारतीय भी हो और भारत की अपनी रेटिंग एजेंसी हो। आज 79 साल की आजादी के बाद भी भारत का एक विश्वविद्यालय भी शीर्ष 100 तो क्या, शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है। करीब 73 फीसदी बच्चे 12वीं तक भी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। प्रधानमंत्री ने यह नहीं बताया कि एआई ट्रेनिंग के साथ रोजगार कितना बढ़ेगा? ऑनलाइन कोचिंग निशुल्क होगी, लेकिन परीक्षा-प्रणाली कितनी पारदर्शी, ईमानदार होगी? कोचिंग का कारोबार करीब 58,000 करोड़ रुपए का है और करीब 7.10 करोड़ छात्र कोचिंग ले रहे हैं। क्या इस समीकरण को तोड़ा जा सकता है? प्रधानमंत्री ने तेल की तलाश में 'समुद्र-मंथन' शुरु कराया है। हाईड्रोजन ट्रेन एक सुखद शुरुआत है। 'सूर्यघर' का प्रयोग भी सफल हो रहा है।

#### चित्तन-मनन

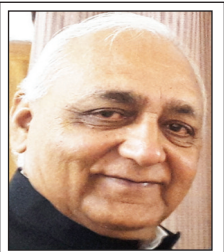
### वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी
मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पिपुषु ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रन्थियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलाता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लाड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की मांसपेशियां खिंचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी  हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अंत:वाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन बूझा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित्त बनाना चाहिए।

## आवश्यकता है

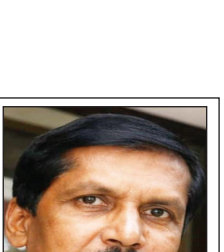
**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**



तनवीर जाफ़री

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका – ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई हैं। इस्‍राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्‍व इतिहास में यह पहला मौका है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चा पर अमेरिका को बग़ार की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के गलत फैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन CVN-72 को लेकर एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हेरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरुआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्‍राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन



कुमार कृष्‍ण

सावन का तीसरा सोमवार था। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। सुबह-सुबह मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते आस्था और उम्मीद से भरे थे। लेकिन कुछ ही क्षणों में वही भीड़ चीख-पुकार में बदल गई। लोग भगवान तक पहुंचने के लिए निकले थे, मौत के मुंह में पहुंच गए। लखीसराय के इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम में सोमवार सुबह हुई भगदड़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि हमारे धार्मिक स्थलों पर आस्था की भीड़ के लिए सुरक्षा की तैयारी कितनी गंभीर है। शुरुआती खबरों में मृतकों की संख्या छह और सात बताई गई, जबकि बाद की प्रशासनिक जानकारी में आठ मजिला श्रद्धालुओं की मौत और नौ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई। घटना की अंतिम स्थिति आधिकारिक जांच और पुष्टि से ही स्पष्ट होगी।

हादसे की वजह को लेकर भी शुरुआती सूचनाओं में अंतर था। पहले बिजली के तार या खंभे से करंट लगने की बात सामने आई। बाद में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार के हवाले से बताया गया कि बिजली आपूर्ति बंद थी और तार टका हुआ था। अशोक धाम हाल्ट पर एक साथ दो ट्रेनें आने से अचानक भीड़ बढ़ी। कुछ युवकों की भाग-दौड़ के दौरान बिजली का एक खंभा गिर गया। इसके बाद करंट फैलने की अफवाह ने श्रद्धालुओं में दहशत पैदा कर दी। लोग इधर-उधर भागने लगे। बैरिकेडिंग टूट गई और भगदड़ में लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए।

बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी पोर्ट कॉल अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन को इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है।

माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ट्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और जरूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहीं तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे,अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस खबर ने वर्तमान समय में अमेरिकी

## जब आस्था की भीड़ में कुचल जाता है इंसान

यही इस घटना का सबसे भयावह पक्ष है। भगदड़ में हमेशा कोई एक चीज नहीं मारती। कभी अफवाह, कभी संकरी जगह, कभी टूटी बैरिकेडिंग, कभी अचानक बढ़ा दबाव और कभी प्रशासन की तैयारी तथा वास्तविक भीड़ के बीच का अंतर मौत का कारण बन जाता है। सवाल केवल अशोक धाम का नहीं है। सवाल यह है कि जब किसी धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों के आने की संभावना पहले से मालूम होती है, तो भीड़ को अचानक आई आपदा की तरह क्यों देखा जाता है?

सावन का सोमवार कोई अनजान तारीख नहीं था। अशोक धाम में भारी भीड़ की संभावना पहले से थी। जिलाधिकारी के अनुसार वे रात तीन बजे के बाद से ही मौके पर मौजूद थे। सुबह छह बजे के बाद भीड़ तेजी से बढ़ रही थी। दो ट्रेनों के एक साथ आने से श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ी। इसका अर्थ है कि संकट केवल भगदड़ के क्षण में पैदा नहीं हुआ। संकट धीरे-धीरे बन रहा था। भीड़ बढ़ रही थी, रास्ते भर रहे थे और लोगों का दबाव बढ़ रहा था। फिर एक छोटी-सी घटना हुई और सामूहिक भय ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया। भीड़ के मनोविज्ञान की यही विडंबना है। एक व्यक्ति दौड़ता है तो वह भाग रहा होता है। सौ लोग दौड़ते हैं तो वह भगदड़ होती है। हजारों लोग दौड़ते हैं तो रास्ता नहीं बचता। गिरा हुआ व्यक्ति उठ नहीं पाता, क्योंकि पीछे आने वाले को पता ही नहीं होता कि उसके पैरों के नीचे कोई ज़िंदगी पड़ी है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिस की संख्या बढ़ाना नहीं है। भीड़ को चलाना, रोकना, मोड़ना, बांटना और सुरक्षित निकालना भी उतना ही जरूरी है। अशोक धाम केवल एक मंदिर नहीं है। यह लखीसराय की धार्मिक चेतना और स्थानीय आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस स्थल का संबंध पाल काल से जुड़ा है। कहा जाता है कि अठवीं शताब्दी में पाल वंश के राजा नारायण पाल के समय यहां शिवलिंग की पूजा होती थी। एक अन्य परंपरा के अनुसार बारहवीं शताब्दी में राजा इंद्रद्युमन ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। समय के साथ पुराना मंदिर नष्ट हुआ और उसके

सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है। उधर ईरान की तरफ से संभावित खतरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज खबर सामने आई। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीके से अपना विमान बदल लिया था। खबरों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति टेलीविजन कैमरों की मौजूदगी में एयर फोर्स वन में सवार हुए, फिर उन्हें चुपके से एक ऊंचे एयरपोर्ट कैटरिंग ट्रक में ले जाया गया और एक सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। हालांकि, अब वाशिंगटन पोस्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने एक बार फिर विमान बदल दिया था। पोस्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप को पुराने एयर फोर्स वन विमान से एक कैटरिंग कंटेनर में बाहर निकाला गया। यह कंटेनर ट्रंप को एक छोटे सी-32ए विमान तक ले गया। इसी विमान से उन्होंने ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी। इस दौरान विमान में सवार पत्रकारों और व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इससे पहले अंकारा में शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का नंबर वन निशाना हैं।

ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे। फरवरी 2026 में अमेरिका-इस्‍राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला खामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और खामेनेई के दफ्न वाले शहर

अवशेष धरती के नीचे दब गए। अशोक धाम की आधुनिक कहानी 7 अप्रैल 1977 से जुड़ती है। स्थानीय परंपरा के अनुसार उस दिन अशोक नाम का एक बालक गिल्ली-डंडा खेल रहा था। खेलते समय उसकी नजर जमीन के नीचे दबे एक विशाल काले पत्थर पर पड़ी। बाद में उसे शिवलिंग माना गया। शिवलिंग इतना विशाल था कि उसे बाहर निकालना संभव नहीं हुआ। उसी बालक के नाम पर यह स्थान अशोक धाम कहलाने लगा।

मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य आगे बढ़ा और 11 फरवरी 1993 को जगन्नाथपुरी के शंकराचार्य ने नए मंदिर के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। बाद के वर्षों में श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से मंदिर परिसर का विकास हुआ। आज सावन में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इतिहास और आस्था से जुड़ा यह स्थल अब आधुनिक भीड़ प्रबंधन की बड़ी चुनौती के सामने है। धार्मिक स्थलों की भीड़ का अपना अनुभव है। अजमेर शरीफ दरगाह में एक बार मुझे वीआईपी प्रवेश की सुविधा मिली। एक खादिम ने व्यवस्था कर दी थी और एक युवक चादर चढ़ाने में सहायता के लिए साथ था। फिर भी मुख्य द्वार तक पहुंचने में जिस भीड़ से गुजरना पड़ा, उसने समझा दिया कि वीआईपी प्रवेश भी भीड़ के भय को समाप्त नहीं करता। अंदर मजार पर चादर चढ़ाने की जगह छोटी और बंद थी। लगभग दो मिनट का वह समय बेहद परेशान करने वाला था। मेरी पोती भीड़ देखकर डर गई और रोने लगी। तब समझ आया कि धार्मिक आस्था व्यक्ति को भीतर से मजबूत करती है, लेकिन भीड़ का दबाव उम्र, शरीर और आस्था नहीं देखता।

इसीलिए मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि बड़े धार्मिक आयोजनों में बच्चों, बीमारों और बहुत बुजुर्ग लोगों को अत्यधिक भीड़ से बचना चाहिए। युवा और शारीरिक रूप से सक्षम लोग जाएं, लेकिन भीड़ की प्रकृति और निकासी के रास्तों का ध्यान रखें। यह आस्था पर टिप्पणी नहीं, भीड़ के व्यवहार की व्यावहारिक समझ है। खाटू श्याम से लेकर जेणो देवी, अजमेर, काशी, उज्जैन, जगन्नाथ पुरी और कुंभ-महाकुंभ तक, जहां आस्था का समुद्र उमड़ता है, वहां सुरक्षा भी उसी अनुपात में मजबूत होनी चाहिए।

## भारत में पाकिस्तानियों को मिल गई नागरिकता?



के एक अलहदे छेर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित लोग बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरुआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफ्फ़ीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है।

पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी विरान होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़खाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेतीबाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छे फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप

में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं। लेकिन प्रवांश और मालिकाना हक से वंचित थे, जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्यूरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई हैं। लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जद्दोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनावों में इनसे के झूठा आश्वासन हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया। पर, कुछ राजनैतिक अड़चनों के चलते वादा पुरा नहीं कर पाए।

बोते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल

मशहद की सड़कों पर जगह जगह अंग्रेजी में KILL TRUMP लिखे बड़े बड़े बैनर और धमकी भरे पोस्टर देखे गये। काले कपड़ों में शामिल महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में KILL TRUMP लिखे हुए लाल रंग के प्लेकार्ड उठा रखे थे। कई पोस्टरस में 'डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और 'इस्‍राईली पीएम बेजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों पर बंदूक की दूरबीन का निशाना क्रॉस हेयर बना हुआ था। उन पोस्टरों पर नीचे लिखा था- There will be blood यानी खून बहेगा। इसी तरह तेहरान में एक पुल से ट्रंप का एक विशाल बिलबोर्ड (होर्डिंग) लटकाया गया था, जिस पर उनके सिर पर गोली का निशान बना था और लिखा था अमेरिका ने हमारे पिता को मारा है, हम तुम्हें छोड़ेंगे नहीं! और वहां से गुजरती आक्रोशित भीड़ उस होर्डिंग पर पत्थर बरसा रही थी। खामेनेई के अंतिम संस्कार के जुलूस में भी भीड़ ने सामूहिक रूप से कसम खाते हुए नारे लगाए कि हम अपने सर्वोच्च नेता के खून की कसम खाते हैं, ट्रंप हम तुम्हें मार डालेंगे। मुख्य मंच से कवियों और उद्घोषकों ने लाउडस्पीकर पर चिल्लाते हुए भीड़ से पूछा, दुनिया का सबसे कमीना आदमी (डोनाल्ड ट्रंप) अभी तक जिंदा क्यों है? जिसने हमारे इमाम को मारा, हम उसे क्यों न मारें? इसके बाद पूरी भीड़ ने डेथ टू डोनाल्ड के नारे लगाए। यहाँ तक कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने भी लिखित बयान जारी कर कहा कि ईरान ने इन अपराधी हत्यारों की एक हिट-लिस्ट तैयार की है और उनसे बदला लेना अब ईरान का राष्ट्रीय संकल्प है। इसतरह के हालात ट्रंप व उनके सुरक्षा सलाहकारों में ईरान के प्रति भयभीत होने के लिए पर्याप्त हैं। यानी कहना गलत नहीं होगा कि अपने ही गलत फैसलों के चलते ट्रंप ईरान के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंस चुके हैं।

भारत का इतिहास ऐसी त्रासदियों से भरा पड़ा है। 1954 के प्रयाग कुंभ की भगदड़ देश की सबसे भयावह धार्मिक भीड़ त्रासदियों में गिनी जाती है। 2005 में महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में तीन सौ से अधिक लोगों की मौत हुई। 2008 में जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर में दो सौ से अधिक लोग मारे गए। 2010 में प्रतापगढ़ के मनगढ़ आश्रम में 63 लोगों की मौत हुई। 2011 में सबरीमाला के पास पुलमेडु में सौ से अधिक श्रद्धालुओं की जान गई। 2015 में राजमुंदरी के गोदावरी पुष्करम में 27 लोगों की मौत हुई और उसी वर्ष देवघर के वैद्यनाथ धाम में भगदड़ में 11 श्रद्धालु मारे गए।

ये केवल आंकड़े नहीं हैं। हर संख्या के पीछे एक परिवार है। किसी की मां, पत्नी, बेटी या पिता है। सवाल इसलिए यह नहीं होना चाहिए कि हादसा हुआ तो किससे दोष दें। सवाल यह होना चाहिए कि हादसा होने की स्थिति पैदा ही क्यों हुई?

अशोक धाम की घटना में अफवाह की भूमिका महत्वपूर्ण है। खंभा गिरा, लोगों ने करंट की आशंका समझी, डर फैला, लोग भागे, बैरिकेडिंग टूटी और लोग गिरते चले गए। इसलिए बड़े धार्मिक आयोजनों में केवल भजन और सामान्य घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अफवाह के मुकाबले सूचना की गति अधिक होनी चाहिए। किसी खंभे के गिरने पर तुरंत बताया जाए कि बिजली बंद है या चालू, लोगों को भागने के बजाय शांत रहने की सलाह दी जाए और वैकल्पिक रास्ते बताए जाएं। घबराई भीड़ को डंडे से नहीं, स्पष्ट सूचना और भरोसे से नियंत्रित किया जा सकता है।

धार्मिक आयोजनों की जिम्मेदारी केवल मंदिर प्रशासन की नहीं हो सकती। मंदिर प्रबंधन, जिला प्रशासन, पुलिस, रेलवे, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों को एक साझा सुरक्षा योजना बनानी होगी। अशोक धाम में दो ट्रेनों के एक साथ आने से भीड़ बढ़ी तो रेलवे स्टेशन से मंदिर तक का रास्ता भी सुरक्षा योजना का हिस्सा होना चाहिए था। धार्मिक स्थल का सुरक्षा निष्ठा केवल प्रवेश द्वार तक सीमित नहीं होना चाहिए। उसमें निंकाश द्वार, आपातकालीन मार्ग, चिकित्सा केंद्र, एंबुलेंस की पहुंच, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा और खुले सुरक्षित क्षेत्र शामिल होने चाहिए।

पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपास है। ऐसा करके सरकार ने शावद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बेटे-बिटाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को सुबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाण पत्र बांटे, बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए।

यह फैसला चुनाव के ऐन वक्त लिया गया। प्रदेश में मात्र 6-7 महीनों बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसलिए सरकार के इस निर्णय पर प्रदेश की राजनीति जमकर गरमाई हुई है। विपक्षी पार्टियों ने सीधे-सीधे एक बड़े वोटबैंक को साधने का आरोप मौजूदा सरकार पर लगाया है। पाकिस्तानी विस्थापियों की बसने का यह पहला चरण है, अभी दूसरा चरण शेष है। 35 हजार लोग और हैं जो बहराईच, बाराबंकी, गांझा, लखीमपुर, बिजनौर जैसे जिलों में बसे हैं। सभी को चिह्नित किया जा चुका है, अगले कुछ महीनों बाद इन्हें भी मुकम्मल नागरिकता देने का फैसला हो चुका है। सरकारी आंकड़ों की माने तो प्रदेश के करीब सात-आठ जिलों में कुल 55 हजार विस्थापित पाकिस्तानियों की आबादी है, इनमें प्रत्येक वर्ष तेजी से इजाफा भी हो रहा है। 56 वर्ष पहले धार्मिक प्रताड़ना के रूप में मात्र 12 हजार 380 लोग आए थे। आबादी बढ़ाने के पीछे इनका मकसद था कि बड़ी आबादी से सरकारों को वोटिंग का लालच देकर किसी भी दल पर दबाव बना सकेंगे। कमोबेश, हुआ भी वैसा ही। अपने योजनाओं में वह लोग आज सफल हुए हैं।



गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराए। डीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समग्रबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। डी० नितिन गौड़ ने वर्षों अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएसएल पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य चिन्ताओं में प्राप्त शिकायतों का प्रथमिकता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से स्वतंत्र निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि पुलिस अधिकारियों आज्ञा की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी शशिभूषण पाठक सहित जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।







## पिंजरे में फंसा गुलदार, ग्रामीणों और कांवड़ियों ने ली राहत की सांस

**चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** हल्दौर क्षेत्र के गांव करनपुर गामड़ी की आबादी के समीप जंगल में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में देर रात गुलदार फंस गया। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों और कांवड़ियों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कई दिनों से गांव के आसपास जंगल में गुलदार दिखाई देने की शिकायतें मिल रही थीं। गुलदार की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना



हुआ था। कुछ दिन पूर्व कांवड़ियों के सामने भी गुलदार सड़क पार

को गंभीरता से लेते हुए आबादी के पास जंगल में पिंजरा लगाया था। देर रात गुलदार पिंजरे में फंस गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पिंजरे सहित गुलदार को अपने साथ वन कार्यालय ले गई। गुलदार के पकड़े जाने की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। कांवड़ यात्रा के दौरान गुलदार की मौजूदगी को लेकर बनी आशंका भी अब काफी हद तक दूर हो गई है।

## बाघ ने पशुपालक पर किया हमला, पिता ने डंडे से खदेड़ा

**मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के थाना मंडावली क्षेत्र के ग्राम गुढ़ा पंचायत के सहानपुर रेंज अंतर्गत मोथला उर्फ नीम वाली वन क्षेत्र में सोमवार सुबह पशु चराने जा रहे एक पशुपालक पर घात लगाए बैठे बाघ ने हमला कर दिया। हमले में पशुपालक स्वामी रफी पुत्र गुलाम नबी, उम्र करीब 33 वर्ष, घायल हो गया। बेटे पर बाघ को हमला करते देख साथ चल रहे उसके पिता ने साहस दिखाते हुए डंडे से बाघ पर वार कर दिया। इससे बाघ गुराता हुआ जंगल की ओर भाग गया। रफी ने बताया कि वह सुबह करीब आठ बजे पशुओं को चराने के लिए वन क्षेत्र की ओर जा रहा



था। इसी दौरान घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बाघ के पंजों से उसके हाथ और कंधे पर चोटें आई हैं। घायल पशुपालक ने कहा कि यदि उस समय उसके पिता साथ नहीं होते तो उसकी

है। घायल रफी को ग्राम प्रधान पति नरवेल सिंह ने समीप स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी सहानपुर रेंज विकास कुमार तथा वन दरोगा मोहित कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को जंगल के आसपास सावधानी बरतने तथा अकेले पशु चराने न जाने की सलाह दी। ग्रामीण मुस्तफा, शमशेर, यामीन, गुलाम नबी आदि ने वन विभाग से बाघ की निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

## पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों में मारपीट, तीन घायल

**नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):-** हल्दौर मार्ग पर रविवार को पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार हल्दौर मार्ग स्थित एक दुकान पर पैसों के हिसाब-किताब को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़



गए और लाठी-डंडों के साथ ही लात-चूसे चलने लगे। मारपीट में

पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नहटौर पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। थाना प्रभारी के अनुसार पैसों के लेन-देन को लेकर मारपीट की सूचना मिली थी। दोनों पक्षों की ओर से मिली तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

## लखनऊ धरने में शामिल होने जा रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा हाउस अरेस्ट

*स्योहारा थाने में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन*



**बिजनौर (सब का सपना):-** राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने प्रेसवार्ता कर आरोप लगाया कि सोमवार को लखनऊ में गांधी प्रतिमा पर दिव्यांगजनों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन व मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम में शामिल होने से उन्हें पुलिस द्वारा

रोका गया। एम आर पाशा ने बताया कि दिव्यांग महागठबंधन के बैनर तले प्रदेशभर से कार्यकर्ता लखनऊ जा रहे थे। आरोप है कि पुलिस ने आंदोलन को सफल न होने देने के लिए सभी जिलों में दिव्यांगजनों को घर पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया। इसी क्रम में उन्हें भी उनके आवास पर हाउस



अरेस्ट किया गया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। हाउस अरेस्ट के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने थाना स्योहारा प्रभारी को माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

सौंपा। ज्ञापन में दिव्यांगों की लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में मोहम्मद आजम, फहीम, विपिन, रोहित, सितारे आलम, बब्बू, आफताब, शहजाद, सलीम टेलर, साजिद, इकराम, सलमान, बाबुराम, कालू आदि मौजूद रहे।

## मंदिर ट्रस्ट की जमीन को लेकर विवाद गहराया, मारपीट के आरोप

*पीड़ित ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराने, निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की लगाई गुहार*

**फतेहपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** बिन्दकी कस्बे में मां काली मंदिर ट्रस्ट की भूमि को लेकर चल रहा विवाद अब मारपीट और पुलिस कार्रवाई की मांग तक पहुंच गया है। जहानपुर निवासी गुलशन दुबे पुत्र राम दुलारे ने पुलिस अधीक्षक फतेहपुर को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि ट्रस्ट की भूमि को लेकर विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित के अनुसार एक मां काली मंदिर ट्रस्ट से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि ट्रस्ट की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से कब्जे और निर्माण का प्रयास किया जा रहा था। ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों द्वारा इसका विरोध किए जाने पर विवाद बढ़ गया और उन्हें कथित तौर पर धमकाया जाने लगा। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि 09 अगस्त 2026 की शाम



करीब आठ बजे कुछ लोगों ने पीड़ित के साथ कथित रूप से मारपीट की। आरोप है कि लाठी-डंडों से हमला किया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस सहायता के लिए 112 नंबर पर सूचना दिए जाने की बात भी कही है। पीड़ित का आरोप है कि

अन्य नामजद व्यक्तियों के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी समेत अन्य कथित कृत्यों के संबंध में मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही आरोप लगाया है कि स्थानीय स्तर पर प्रभाव के चलते कार्रवाई प्रभावित हो रही है और उसे लगातार भय बना हुआ है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर आरोपों की सत्यता सामने लाने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ विधिस्मरत कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही उसने अपनी सुरक्षा की भी गुहार लगाई है। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अब देखना यह है कि मंदिर ट्रस्ट की भूमि से जुड़े इस विवाद और मारपीट के आरोपों पर पुलिस प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

## लूट की वारदात में वांछित आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, अवैध हथियार व लूटी बाइक बरामद

**बिजनौर (सब का सपना):-**

जनपद के थाना कोतवाली शहर पुलिस ने लूट की वारदात में शामिल एक आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध तमचा-कारतूस, लूटी गई मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, 13 अगस्त को वादी अशोक पुत्र ढूंगर सिंह निवासी जहानाबाद, थाना कोतवाली शहर ने तहरीर देकर अज्ञात बदमाशों द्वारा उसकी मोटरसाइकिल संख्या UP20BY3398 और दो मोबाइल फोन लूटे जाने की सूचना दी थी। मामले में थाना कोतवाली शहर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। 17 अगस्त को



पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लूट की घटना में शामिल एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार चांदपुर से बिजनौर की ओर आ रहा है। सूचना पर पुलिस ने चेकिंग शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार ने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, पीछा करने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी

कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पुछताछ में आरोपी ने अपना नाम देव पुत्र सतीश निवासी ग्राम रहड़वा, थाना कोतवाली शहर, जनपद बिजनौर बताया। पुछताछ में आरोपी ने 12 अगस्त की रात अपने साथियों के साथ मिलकर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति से मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन लूटने की बात

स्वीकार की। आरोपी के कब्जे से एक तमचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस 315 बोर, एक जिंग कारतूस 315 बोर तथा लूटी गई मोटरसाइकिल स्पेंडर प्लस संख्या UP20BY3398 बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी देव का अपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ थाना कोतवाली शहर में पूर्व में भी मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ के संबंध में भी पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अवनीत मान, उपनिरीक्षक रोहिताश कुमार, उपनिरीक्षक संजीव कुमार, कॉन्स्टेबल सदीप, कॉन्स्टेबल नेपाल सिंह, कॉन्स्टेबल सदीप कुमार और कॉन्स्टेबल सुनील कुमार शामिल रहे।

## भाकियू की बैठक में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक में सरकारी कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार और पूर्व में अधिकारियों को दिए गए मांगपत्रों पर कार्रवाई न होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। किसानों की समस्याओं का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। बैठक में संगठन के सक्रिय कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। सोमवार को तहसील परिसर में मधेश राजपूत की अध्यक्षता और राजीव चौहान के संचालन में आयोजित बैठक में किसानों की समस्याओं के संबंध में अधिकारियों को पूर्व में दिए



गए ज्ञापनों पर कार्रवाई न होने पर रोष जताया गया। वक्ताओं ने सरकारी कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग की। बैठक में विद्युत विभाग द्वारा घरेलू कनेक्शनों पर उपभोक्ताओं को बिना जानकारी दिए

लोड बढ़ाए जाने, जंगली जानवरों द्वारा किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने तथा कथित मिलीभगत से क्षेत्र में पेड़ों के अवैध कटान के मामलों पर चर्चा की गई। यूनियन पदाधिकारियों ने प्रशासन से इन

मामलों में कार्रवाई कर किसानों को राहत दिलाने की मांग की। समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए सर्वसम्मति से मोहम्मद सलमान को तहसील सचिव, यशपाल सिंह को तहसील संगठन मंत्री, विकास चौहान को सचिव तथा जितेंद्र कुमार को ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान तहसील अध्यक्ष सोनू विरक, राजीव चौहान, योगेंद्र सिंह, नौशाद, हरपाल सिंह, रणजीत सिंह, बंटी चौधरी, दयाराम, चंद्रपाल सिंह, महबूब प्रधान सहित यूनियन के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## हरियाली तीज पर महिलाओं ने झूला झूलकर गाए सावन के गीत

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** श्री वैश्य लोहिया समाज की महिलाओं ने हरियाली तीज का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर महिलाओं ने चरों एवं निजी बगीचों में झूले डालकर सावन के मधुर गीत गुनगुनाए और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। क्षत्रिय नगर-धामपुर रोड स्थित निजी प्रतिष्ठान पर आयोजक रवि मिश्र के आह्वान पर आयोजित तीजोत्सव कार्यक्रम में दर्जनों महिलाएं एकत्र हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोरमा गुप्ता ने की, जबकि संचालन सुरभि गुप्ता ने



किया। महिलाओं ने संपूर्ण श्रृंगार कर भजन एवं सावन के गीत प्रस्तुत किए और सांस्कृतिक नृत्य किया। कार्यक्रम में एक्टिविटी गेम और

विजय प्रतियोगिता आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। इस दौरान सुनीता लोहिया, सरिता गुप्ता, मनोरमा गुप्ता, मधु गुप्ता, नीलिमा गुप्ता, नीलू गुप्ता, नीलू

गुप्ता, सुरभि गुप्ता, रश्मि जैन, रवि मिश्र, मुक्ता गर्ग, शिवानी गुप्ता, भारती गुप्ता, शालू गुप्ता, नेहा गुप्ता, प्रिया कंसल, अनामिका कंसल, कविता कंसल, करिश्मा लोहिया, स्वाति जैन, माही मिश्र आदि महिलाओं ने झूला झूलते हुए गीत-भजन का आनंद लिया। आयोजक रवि मिश्र ने तीजोत्सव में शामिल होने पहुंची सभी महिलाओं का स्वागत किया। महिलाओं ने सावन के सुहाने मौसम के बीच एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए पर्व का जमकर आनंद लिया।

## प्लास्टिक कोटेड केबिल में आग लगाने के दो घंटे बाद ही सप्लाई शुरू

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** मोहल्ला कलालान में मौखा की लकड़ी की टाल के पास रखे विद्युत ट्रांसफार्मर की प्लास्टिक कोटेड केबिल में रविवार की रात करीब 8 बजे आग लगने के बाद अफरा तफरी मच गई और विद्युत आपूर्ति बंद हो गई। लोगों को लगा कि ट्रांसफार्मर फूंक गया लेकिन विद्युत विभाग की टीम ने मात्र दो घंटे



में ही केबल चेंज कर सप्लाई शुरू करा दी। विद्युत वितरण उप खंड

नगीना के एसडीओ वीरेंद्र कुमार ने बताया कि न्यूटल फेस टच हो जाने के कारण प्लास्टिक कोटेड केबिल में आग लग गई थी जिसकी वजह से सप्लाई बंद करनी पड़ी थी। टीम ने तत्काल मौके पर पहुंच कर प्लास्टिक कोटेड केबिल को बदल दिया और मात्र दो घंटे में ही सप्लाई चालू कर दी गई थी।

## मोटे महादेव मंदिर पर नगर पालिका ने लगाया विशाल भंडारा, डीएम ने किया प्रसाद वितरण



**नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के मंडावली थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध स्वयंभू मोटे महादेव मंदिर पर सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर नगर पालिका नजीबाबाद की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में कांवड़ियों और शिवभक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। नगर पालिका द्वारा आयोजित भंडारे में जिलाधिकारी जसजीत कौर,



रही और पूरा क्षेत्र भोलोनाथ के जयकारों से गुंजता रहा। उधर, सावन के तीसरे सोमवार को मोटे महादेव मंदिर में सुबह से ही शिवभक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। हरिद्वार से कांवड़ में गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों ने भी विधि-विधान के

साथ शिवलिंग पर जल चढ़ाया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान उर्फ बांवी ने भी मोटे महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।



# वीरांगना अवंतिका बाई लोधी की जयंती पर निकाली गई झांकियां



**फतेहपुर (सब का सपना):-** खागा विधानसभा क्षेत्र के संग्रामपुर में सोमवार को वीरांगना अवंतिका बाई लोधी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में खागा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी, सपा नेता एवं पूर्व डीआईजी रामतीर्थ परमहंस पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। रामतीर्थ परमहंस

ने वीरांगना अवंतिका बाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने वीरांगना के वीरता, अदम्य साहस और देश के इतिहास में योगदान पर प्रकाश डालते हुए समाज के लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से



कार्यकर्ताओं द्वारा झांकियां भी निकाली गईं, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। झांकियों के माध्यम से वीरांगना अवंतिका बाई के जीवन संघर्ष और बलिदान को दर्शाया गया। इस दौरान खागा विधानसभा क्षेत्र के लोधी समाज के लोगों से सामाजिक एवं

**पंजाब चुनाव से पहले बीजेपी का मास्टरस्ट्रोक! मनप्रीत बादल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त, तरुण चुग को नया प्रभार**



**चंडीगढ़।** बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार (17 अगस्त, 2026) को पार्टी के केंद्रीय संगठन में महत्वपूर्ण नियुक्तियों की हैं। पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल को भाजपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 से पहले बीजेपी का मास्टरस्ट्रोक मनप्रीत सिंह बादल ने जनवरी 2023 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी का दामन थामा था। इससे पहले वे पंजाब के वित्त मंत्री रह चुके हैं। मनप्रीत सिंह बादल, शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता रहे प्रकाश सिंह बादल के भतीजे हैं। यानी बीजेपी ने पंजाब की राजनीति के एक चर्चित राजनीतिक परिवार से आने वाले नेता को राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। नप्रीत बादल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और तरुण चुग को केंद्रीय कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने से पंजाब से जुड़े दो प्रमुख नेताओं की राष्ट्रीय संगठन में भूमिका महत्वपूर्ण हुई है। चुग पहले से बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री हैं। अब उन्हें पार्टी के केंद्रीय कार्यालय प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। तरुण चुग लंबे समय से पंजाब की राजनीति और संगठन में बीजेपी के प्रमुख चेहरों में रहे हैं। बता दें कि 2027 में पंजाब में विधानसभा चुनाव होने वाला है और इसको मद्देनजर रखते हुए बीजेपी ने पंजाब के नेताओं को केंद्रीय संगठन में अहम जिम्मेदारी दी है। बीजेपी के इस फैसले को राजनीतिक पंडित मास्टरस्ट्रोक बता रहे हैं और कह रहे हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका फायदा होगा।

**'टिकट चाहिए तो सिर्फ और सिर्फ डेरा बाबा नानक से...' , सांसद सुखजिंदर रंधावा ने कांग्रेस हाईकमान को दिया संदेश**



**चंडीगढ़।** कांग्रेस नेता और सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि जब उन्हें पार्टी का टिकट मिला था, उस समय उनके पिता पार्टी के अध्यक्ष थे और उन्होंने उसी दिन सक्रिय राजनीति से अलग होने का फैसला कर लिया था। रंधावा ने कहा कि उनके परिवार ने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि यदि टिकट लेना होगा तो केवल एक टिकट लिया जाएगा और वह डेरा बाबा नानक विधानसभा क्षेत्र से ही होगा। इसके अलावा किसी अन्य सीट से टिकट लेने का सवाल ही नहीं है। रंधावा ने कहा कि पार्टी में टिकट योग्यता और जीतने की क्षमता के आधार पर दिया जाना चाहिए, न कि किसी की चापलूसी या खुशामद के आधार पर। उन्होंने स्पष्ट कहा कि टिकट उन लोगों को मिलना चाहिए जो चुनाव जीतने की क्षमता रखते हैं और संगठन के लिए जमीन पर काम करते हैं। केवल नेताओं की खुशामद करने वाली को टिकट देना पार्टी के हित में नहीं है। इंटरनेट मीडिया पर रंधावा के इस बयान को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में टिकट वितरण के संभावित रणनीति और दावेदारों के लिए स्पष्ट संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

**चंडीगढ़ में स्वच्छता के लिए कड़े नियम, चार श्रेणियों में कचरा अलग न करने पर 10 लाख तक जुर्माना**



**चंडीगढ़।** नगर निगम ने सालिड वेस्ट मैनेजमेंट बायलाज-2026 का ड्राफ्ट जारी कर शहरवासियों से 15 दिन में सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। प्रस्तावित उपनियमों में घरों और अन्य कचरा उत्पादकों के लिए स्रोत स्तर पर कचरे को चार श्रेणियों गोला, सूखा, सैनिटरी और विशेष देखभाल वाला कचरा में अलग करना अनिवार्य किया गया है। अलग-अलग कचरा अधिकृत कलेक्टर को सौंपना होगा। ड्राफ्ट में कचरा प्रबंधन नियमों के उल्लंघन पर 500 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक जुर्माने का प्राविधान किया गया है। सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकने पर पहली बार 500, दूसरी बार 1,000 और इसके बाद 2,000 रुपये जुर्माना होगा। खुले में कचरा जलाने पर पहली बार 5,000, दूसरी बार 10,000 और इसके बाद 20,000 रुपये जुर्माना प्रस्तावित है। निगम ने नागरिकों से ड्राफ्ट पर सुझाव और आपत्तियां 15 दिन के भीतर ई-मेल या एमओएच कार्यालय में जमा करवाने को कहा है। ड्राफ्ट निगम की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बल्क वेस्ट जेनरेटर के लिए सख्ती 100 किलो से अधिक प्रतिदिन कचरा पैदा करने वाली हाउसिंग सोसायटी, संस्थान, होटल, रेस्तरां, अस्पताल, बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बल्क वेस्ट जेनरेटर माने जाएंगे। इन्हें अपने परिसर में गोले कचरे का कंपोस्टिंग या बायो-मेथेनेशन के माध्यम से प्रसंस्करण करना होगा। साथ ही कचरे का स्रोत पर पृथक्करण, रिकॉर्ड का रखरखाव और मासिक रिटर्न दायित्व करना अनिवार्य होगा। नियमों की अन्देखी पर सख्त दंड का प्रविधान किया गया है।

## भाजपा ने सौदान सिंह को फिर दी चंडीगढ़ संगठन की कमान, राष्ट्रीय सहमहामंत्री की नई जिम्मेदारी

**चंडीगढ़।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई नियुक्तियों की सूची जारी की। इसमें चंडीगढ़ की संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाल रहे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह के दायित्व में बदलाव किया गया है। सौदान सिंह अब राष्ट्रीय सहमहामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि चंडीगढ़ का संगठनात्मक कामकाज पहले की तरह उनके पास ही रहेगा।



के कई अन्य राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियों में फेरबदल करते हुए नए चेहरों को भी मौका दिया गया है। पहले भी संभाल चुके हैं चंडीगढ़ की जिम्मेदारी सौदान सिंह इससे पहले राष्ट्रीय महामंत्री के तौर पर चंडीगढ़ की संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था। अब पार्टी

**हत्या का बदला लेने के लिए तोड़ी थी युवक की टांगें, चंडीगढ़ पुलिस ने दबोचे तीन आरोपित; दो अभी फरार**



**चंडीगढ़।** हत्या का बदला लेने के लिए सेक्टर-25 में 29 वर्षीय शाकिब पर कुल्हाड़ी और गंडासे से जानलेवा हमला करने और टांगें तोड़ने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों प्रदीप, दीप और गोलू का गिरफ्तार किया है। आरोपितों से वारदात में इस्तेमाल कुल्हाड़ी और डंडा भी बरामद कर लिया। दो आरोपित अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बुधवार दोपहर कार और एक्टिवा पर पहुंचे युवकों ने शाकिब को घेरकर उसकी दोनों टांगों पर कुल्हाड़ी से वार किए थे। हमले में उसके सिर पर भी चोट लगी और दोनों टांगों में फ्रैक्चर हो गया था। वहीं, हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए थे। हमले में घायल हुए शाकिब को स्थानीय लोगों ने सेक्टर-16 के अस्पताल पहुंचाया था। पुलिस के अनुसार, वारदात के पीछे वर्ष 2023 में सेक्टर-25 निवासी अजय की हत्या से जुड़ी रंजिश होने का आरोप है। 26 अगस्त 2023 की कुछ युवकों ने सेक्टर-25 में अजय की बाइक को टक्कर मारी और फिर उस पर लाठी-डंडों से हमला किया था।

## चंडीगढ़ में लगेगा पेट्रोल का लंगर, 18 अगस्त को मिलेगा 500-1000 का कूपन; इसके बाद आईफोन बांटने का भी प्लान

**चंडीगढ़।** अमृतसर के रहने वाले रakesh त्रेहन, जिन्हें लोग राजा दी किंग के नाम से जानते हैं, अब चंडीगढ़ में पेट्रोल का लंगर लगाने जा रहे हैं। 18 अगस्त को सेक्टर-10 और सेक्टर-7 स्थित पेट्रोल पंप के बाहर पेट्रोल का लंगर लगाया जाएगा। इस दौरान दोपहिया और तीन पहिया वाहन चालकों को 500 रुपये का पेट्रोल कूपन दिया जाएगा, जबकि चार पहिया वाहन चालकों को 1000 रुपये का कूपन मिलेगा। राजा दी किंग ने स्वयं इसकी घोषणा की है। राजा दी किंग के अनुसार 18 अगस्त को लगाए जाने वाले पेट्रोल लंगर में जरूरतमंद और वाहन चालकों को पेट्रोल के लिए कूपन उपलब्ध करवाए जाएंगे। दो पहिया और तीन पहिया वाहनों के लिए 500



रुपये तथा चारपहिया वाहनों के लिए 1000 रुपये का कूपन देने की व्यवस्था की गई है। पेट्रोल का यह लंगर लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनने की उम्मीद है। 500 रुपये के नोट के साथ दिया था पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक राजा दी किंग इससे पहले भी चंडीगढ़ में अलग-अलग तरह के लंगर लगा चुके हैं। बीते दिनों सेक्टर-8 में

## महिष्मति नदी के पुनरुद्धार को लेकर डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

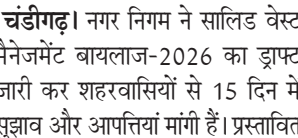


**सम्भल (सब का सपना):-** जनपद में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में एक जनपदद्विपांच नदियों अभियान के तहत प्राचीन नदियों के पुनरुद्धार एवं संरक्षण का कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में सम्भल तहसील क्षेत्र से होकर गुजरने वाली प्राचीन महिष्मति नदी ( भैंस नदी ) के अतिक्रमण वाले हिस्सों को मुक्त कराकर खुदाई एवं पुनरुद्धार का कार्य कराया जा रहा है। सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने चौधरी सराय के पास महिष्मति नदी के हिस्से का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर क्षेत्र में नदी क्षेत्र को गाटावार चिन्हांकित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने प्राचीन कल्कि मंदिर जाने वाले मार्ग एवं हसनपुर रोड के समीप नदी क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी क्षेत्र के विकास एवं

क्षेत्र के खगपुरा, रसूलपुर सराय, नरोत्तम सराय, बदायूं दरवाजा एवं हबीबपुर गांवों से होकर गुजरती है और आगे ग्राम चांदायन के पास प्राचीन चंद्रेश्वर तीर्थ की ओर निकलती है। नदी की कुल लंबाई करीब 12 किलोमीटर है। उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र धीरेन्द्र कुमार सिंह एवं उनकी टीम द्वारा करीब 1.5 से 2 किलोमीटर नदी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराकर नदी को उसके प्राचीन स्वरूप में पुनर्स्थापित करने का कार्य किया गया है। वर्षा ऋतु के चलते वर्तमान में

नदी में पानी का प्रवाह भी हो रहा है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सम्भल को निर्देशित किया कि महिष्मति नदी के पुनरुद्धार एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाए तथा कार्य की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, तहसीलदार सम्भल धीरेन्द्र कुमार सिंह, दीपक कुमार जुरेल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सम्भल आदित्य प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## चंडीगढ़ में स्वच्छता के लिए कड़े नियम, चार श्रेणियों में कचरा अलग न करने पर 10 लाख तक जुर्माना



**चंडीगढ़।** नगर निगम ने सालिड वेस्ट मैनेजमेंट बायलाज-2026 का ड्राफ्ट जारी कर शहरवासियों से 15 दिन में सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। प्रस्तावित उपनियमों में घरों और अन्य कचरा उत्पादकों के लिए स्रोत स्तर पर कचरे को चार श्रेणियों गोला, सूखा, सैनिटरी और विशेष देखभाल वाला कचरा में अलग करना अनिवार्य किया गया है। अलग-अलग कचरा अधिकृत कलेक्टर को सौंपना होगा। ड्राफ्ट में कचरा प्रबंधन नियमों के उल्लंघन पर 500 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक जुर्माने का प्राविधान किया गया है। सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकने पर पहली बार 500, दूसरी बार 1,000 और इसके बाद 2,000 रुपये जुर्माना होगा। खुले में कचरा जलाने पर पहली बार 5,000, दूसरी बार 10,000 और इसके बाद 20,000 रुपये जुर्माना प्रस्तावित है। निगम ने नागरिकों से ड्राफ्ट पर सुझाव और आपत्तियां 15 दिन के भीतर ई-मेल या एमओएच कार्यालय में जमा करवाने को कहा है। ड्राफ्ट निगम की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बल्क वेस्ट जेनरेटर के लिए सख्ती 100 किलो से अधिक प्रतिदिन कचरा पैदा करने वाली हाउसिंग सोसायटी, संस्थान, होटल, रेस्तरां, अस्पताल, बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बल्क वेस्ट जेनरेटर माने जाएंगे। इन्हें अपने परिसर में गोले कचरे का कंपोस्टिंग या बायो-मेथेनेशन के माध्यम से प्रसंस्करण करना होगा। साथ ही कचरे का स्रोत पर पृथक्करण, रिकॉर्ड का रखरखाव और मासिक रिटर्न दायित्व करना अनिवार्य होगा। नियमों की अन्देखी पर सख्त दंड का प्रविधान किया गया है।

## पंजाब में डीए और ऑप्स को लेकर भड़के राजा वडिंग, बोले- कर्मचारियों से किए वादे पूरे करें मान सरकार

**चंडीगढ़।** पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने सरकारी कर्मचारियों की मांगों की अन्देखी करने और उनकी आवाज दबाने के लिए सरकारी ताकत का इस्तेमाल करने का आरोप राज्य सरकार पर लगाया है। कांग्रेस के ह्योद्वाओं के साथ सेशन-2१ के दौरान वडिंग ने कर्मचारियों को डीए और पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) नहीं मिलने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कांग्रेस हक की लड़ाई में मजबूती से साथ खड़ी है। वडिंग ने कहा कि राज्य सरकार एक तरफ राज्य के पास पर्याप्त पैसा होने का दावा करती है, जबकि दूसरी ओर कर्मचारियों को डीए देने के लिए



धन की कमी बताती है। उन्होंने हाई कोर्ट के डीए संबंधी आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाया। सरकार बनाने में कर्मचारियों की भूमिका प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों ने आम

विभिन्न वर्ग सरकार के रवैये से परेशान हैं। ओपीएस लागू न होने का दावा वडिंग ने पुरानी पेंशन योजना को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा।

उन्होंने कहा कि आप सरकार ने ओपीएस लागू करने का वादा किया और नोटिफिकेशन भी जारी किया, लेकिन इसे जमीन पर लागू नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ओपीएस लागू की है। वडिंग ने आरोप लगाया

कि केंद्र और पंजाब की सरकारें विरोध की आवाजों को दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल कर रही हैं।

## नंबर प्लेट न होने पर चंडीगढ़ पुलिस ने जब्त की बाइक, ट्रैफिक लाइन से स्टार्ट कर ले उड़ा मालिक



**चंडीगढ़।** सेक्टर-29 स्थित ट्रैफिक पुलिस लाइन में जब्त एक बाइक को उसका मालिक दूसरी चाबी से स्टार्ट कर ले गया। उसकी बाइक को कुछ दिन पहले पुलिस ने जब्त किया था क्योंकि उस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। कुछ देर बाद बाइक गायब मिली तो पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली। इसमें बाइक का मालिक ही डुप्लीकेट चाबी से उसे लेकर जाता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस बाइक के मालिक तक पहुंची। हालांकि उसने पुलिस से माफी मांग ली, जिस कारण उस पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस टीम सेक्टर-26 में वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान यूपी नंबर की बिना नंबर प्लेट वाली बाइक को रोका गया। चालक राजेंद्र जरूरी दस्तावेज भी नहीं दिखा पाया। पुलिस ने 10,500 रुपये का चालान कर बाइक जब्त कर ली। सीसीटीवी फुटेज में राजेंद्र बाइक के पास पहुंचकर डुप्लीकेट चाबी से उसे स्टार्ट कर ले जाता दिखा। पकड़े जाने पर उसने गलती स्वीकार कर माफी मांग ली।







